B.A Part II Created by :- Nidhi Ray

Learning (Psychology)

Verbal learning (मौखिक शिक्षा)

शिक्षा मनोविज्ञान का सम्बन्ध सीखने एवं सीखाने की विधियो अर्थात् पढ़ाने से है। शिक्षा तथा मनोविज्ञान ज्ञान की दो स्पष्ट शाखाऐ है परन्तु इन दोनो का परस्पर घनिष्ठ संबंध हैं, आधुनिक शिक्षा का आधार मनोविज्ञान है। बच्चे के उसकी रुचियो रुझानों सम्भवनाओं तथा व्यक्तित्व का ध्यानपूर्वक अध्ययन करके शिक्षा दी जाती है।

अर्थ और प्रकृति :

मानव व्यवहार में सीखना एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। सभी जीव सीखते है। सीखने को "व्यवहार और अनुभव के परिणामस्वरुप होने वाली व्यवहार में किसी भी स्थायी परिवर्तन" के रुप में परिभाषित किया गया है। इस परिभाषा के तीन महत्वपूर्ण तत्व है,

(a) सीखना व्यवहार में बदलाव है- बेहतर या बुरा।

(b) यह एक बदलाव है जो अभ्यास या अनुभव के माध्यम से होता है, लेकिन विकास या परिपक्वता के कारण परिवर्तन नहीं सीख रहे है।

(c) व्यवहार में यह बदलाव अपेक्षाकृत स्थायी होनी चाहिए। और यह काफी लंबे समय तक चलना चाहिए

सभी सीखने में गतिविधियाँ शामिल है। इन गतिविधियों में शारीरिक या मानसिक गतिविधियाँ शामिल है। वे साधारण मानसिक गतिविधियाँ जटिल हो सकते है। जिसमे विभिन्न मांसपेशियाँ, हड्डियाँ आदि शामिल होती है, इसलिए मानसिक गतिविधियाँ भी सरल हो सकती है। जिसमे एक या दो गतिविधियाँ शामिल होती है

मन एक जटिल जिसमें उच्च मानसिक गतिविधियाँ शामिल होती है। व्यक्तिगत गतिविधियों के द्वारा किस प्रकार की गतिविधियों को सीखा जाता है, जैसे - आदतें, कौशल, तथ्य आदि विभिन्न प्रकार सीखने हैं।

कुछ सामान्य और महत्वपूर्ण सीखने की गतिविधियाँ निम्न है।

सीखने के प्रकार

(i) मोटर सीखने
(ii) मौखिक शिक्षा
(iii) सीखने की अवधारणा
(iv) भाव सीखने
(v) सिद्धांतों का सीखना;
(vi) समस्या हल करना
(vii) रवैया सीखने:

(i) मोटर सीखने:

हमारे दिन प्रतिदिन के जीवन में हमारे अधिकांश गतिविधियाँ मोटर गतिविधियों को संदर्भित करती है। व्यक्ति को अपने नियमित जीवन को बनाये रखने के लिए उन्हें सीखना होगा। जैसे, चलना, दौड़ना, स्केटिंग, ड्राइविंग, चढ़ाई आदि। इन सभी गतिविधियों में मांसपेशियों का समन्वय शामिल है।

(ii) मौखिक सीखना

इस प्रकार की सीख से हमारे द्वारा बोली जाने वाली भाषा शामिल होती है। संचार उपकरणों का हम उपयोग करते हैं। संकेत, चित्र, प्रतीक, शब्द, आंकड़े ध्वनियाँ आदि ऐसी गतिविधियों में उपयोग की जाने वाली उपकरण है। हम संचार के लिए शब्दों का उपयोग करते है।

(iii) सीखने की अवधारणा :

यह सीखने का वह रूप है जिसमें की उच्च क्रम की मानसिक प्रतिक्रियाओं जैसे सोच, तर्क, बुद्धिमता आदि की आवश्यकता होती है, हम बचपन से विभिन्न अवधारणाओं को सीखते हैं, उदाहरण के लिए जब हम किसी कुत्ते को देखते हैं और 'कुत्ता' शब्द को जोड़ते हैं, तो हम सीखते हैं, कि कुत्ता शब्द एक विशेष जानवर को दर्शाता है। अवधारणा सीखने में दो प्रक्रियाएं शामिल हैं अर्थात् । अमूर्तता और सामान्यीकरण चीजों को पहचानने, ~~पहचानने~~ पहचानने में यह सीख बहुत उपयोगी है।

(iv) भेदभाव सीखने

उत्तेजनाओं के बीच अंतर करना सीखना और इन उत्तेजनाओं के लिए एक उपयुक्त प्रतिक्रिया दिखाना भेदभाव सीखाने को कहा जाता है। उदाहरण बस, कार, एम्बुलेंस आदि विभिन्न वाहनों की ध्वनि होर्न आदि।

(v) सिद्धांतों का सीखना

व्यक्ति अपने काम को प्रभावी ढंग से ~~प्रतिष~~ प्रबंधित करने के लिए विज्ञान, गणित, व्याकरण आदि से संबंधित कुछ सिद्धांत सीखते हैं। ये सिद्धांत हमेशा दो या अधिक अवधारणाओं के बीच के क्रम संबंध को दर्शाता है। जैसे, सूत्र, कानून, संघ, सहसंबंध आदि।

(vi) समस्या का हल करना

यह उच्चतर क्रम शिक्षण प्रक्रिया है। इस सीखने के लिए संज्ञानात्मक क्षमताओं के उपयोग की आवश्यकता होती है - जैसे की सोच, तर्क, कल्पना, सामान्यीकरण आदि। यह लोगों के सामने आने वाली कठिन समस्याओं को दूर करने के लिए बहुत उपयोगी है।

Created by :- Nidhi Raj

(vii) रवैया सीखने :

मनोवृति एक पूर्वधारणा है, जो हमारे व्यवहार को निर्धारित और निर्देशित करती है। हम अपने बचपन से लोगो, वस्तुओं, और उन सभी चीजों के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण विकसित करते है जो हम जानते है। हमारा व्यवहार हमारे दृष्टिकोण के आधार पर सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है, उदाहरण : उसके पेशे, रोगियों, आदि के प्रति नर्स का रवैया।

सीखने के सिद्धांत

मनोवैज्ञानिक ने यह समझने की कोशिश की है, कि लोग सीखते कैसे है और क्यों सीखते है। उन्होंने जानवरो और बच्चों पर कई प्रयोग किये है और कुछ निश्चित निष्कर्ष पर आते है) जो सीखने के तरीके बताते है। इन्हे फिर सीखने का सिद्धांत कहा जाता है। कई पुस्तकों में, इन स्पष्टीकरणों को सीखने के प्रकार के रूप में माना जाता है, लेकिन अधिगम शब्द बहुत व्यापक है। इसमें कई प्रकार की गतिविधियाँ शामिल है जिन्हे सीमित सीमा के भीतर नहीं समझाया जा सकता है सीखने के कई तरीके समझाने वाले सिद्धांत है। उनके निम्न महत्वपूर्ण है।

(i) परीक्षण और त्रुटि सीखना सिद्धांत
(ii) ~~क्लैसी~~ कंडीशनिंग द्वारा सीखना :
(iii) संचालक कंडीशनिंग :
(iv) इन-साइट द्वारा सीखना
(v) नकल द्वारा सीखना